VICTERS ചാനലിൽ സംപ്രേഷണം ചെയ്യുന്ന
ഹിന്ദി ഓൺലൈൻ ക്ലാസ്സുകളെ
അടിസ്ഥാനമാക്കിയുള്ള പഠനസഹായി

हिंदी

कक्षा X

टिप्पणी

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

विनोद कुमार शुक्ल की कविता पर नरेश सक्सेना की टिप्पणी

नरेश सक्सेना

PART - 1

PREPARED BY :
ARJUN K, HST HINDI, Govt. HSS NARIKKUNI, KOZHIKODE &
SHIGESH G S, HST HINDI, KKM Govt. VHSS ORKKATTERI, KOZHIKODE

എസ്.എസ്.എൽ.സി ഹിന്ദി പാഠപുസ്തകത്തിലെ രണ്ടാം അധ്യായം हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ആണ്. ഈ പാഠഭാഗം വിനോദ് കുമാർ ശുക്ലയുടെ കവിതയ്ക്ക് നരേശ് സക്സേനയുടെ ആസ്വാദനക്കുറിപ്പാണ്. തന്റെ ഈ ലേഖനത്തിലൂടെ നിത്യജീവിതത്തിൽ മാനുഷിക മൂല്യങ്ങൾക്കുള്ള പ്രസക്തിയേയും, മനുഷ്യനെ മനുഷ്യനായി കാണേണ്ടതിന്റെ ആവശ്യകതയെയും കുറിച്ച് നരേശ് സക്സേന നമ്മെ ഓർമ്മപ്പെടുത്തുന്നു. '**അറിയുക**' എന്ന വാക്കിന്റെ ഇക്കാലമത്രയും നാം മനസ്സിലാക്കിവെച്ച അർത്ഥത്തെ അതിൽ നിന്നും ഭിന്നമായ് ഈ കവിത പുതിയ കോണിൽ നിന്ന് വീക്ഷിക്കുന്നു.

സാമൂഹിക-ജീവിതത്തിൽ പരസ്പര-സ്നേഹത്തിന്റെയും, സഹവർത്തിത്വത്തിന്റെയും പ്രാധാന്യം വളരെ വലുതാണ്. വ്യക്തികൾക്കിടയിൽ മനുഷ്യത്വം എന്ന വികാരം അതായത് മാനുഷിക സംവേദനക്ഷമത അത്യാവശ്യമാണ് എന്നതാണ് ഈ രചനയുടെ കാതൽ.

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था എന്ന പാഠം നന്നായി മനസിലാക്കാൻ സഹായകരമാം വിധം ഒരു വർക്ക് ഷീറ്റ് നിങ്ങൾക്ക് മുന്നിൽ അവതരിപ്പിക്കുകയാണ്.

വർക്ക്ഷീറ്റിൽ നൽകിയിരിക്കുന്ന പ്രവർത്തനങ്ങൾ സ്വയം ചെയ്ത് നോക്കുക.

ഹിന്ദി നോട്ട്ബുക്കിൽ അവ രേഖപ്പെടുത്തുക.

WORKSHEET - 1

📖 ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' पाठ एक आस्वादन टिप्पणी है। यह हिंदी की एक प्रसिद्ध कविता पर लिखा विश्लेषणात्मक अध्ययन है।

- क्या हम कविता पढ़ें।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
व्यक्ति को मैं नहीं जानता था
हताशा को जानता था
इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया
मैं ने हाथ बढ़ाया
मेरा हाथ पकड़कर वह खड़ा हुआ
मुझे वह नहीं जानता था
मेरे हाथ बढ़ाने को जानता था
हम दोनों साथ चले
दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे
साथ चलने को जानते थे।

विनोद कुमार शुक्ल

विनोद कुमार शुक्ल

जन्म: 1 जनवरी 1937 (मध्यप्रदेश)

आप समकालीन हिंदी साहित्य क्षेत्र में कवि और कथाकार के रूप में विख्यात हैं। सब कुछ होना बचा रहेगा, वह आदमी चला गया, नया गरम कोट पहनकर विचार की तरह, लगभग जयहिंद आदि आपके काव्य संग्रह हैं। खिलेगा तो देखेंगे तथा दीवार में एक खिड़की रहती थी दोनों आपके उपन्यास हैं। मध्यप्रदेश शिखर सम्मान (1995), मैथिली शरण गुप्त राष्ट्रीय सम्मान (1996) आदि से आप सम्मानित हुए हैं।

हताशा	നിരാശ	साथ	ഒരുമിച്ച്	खड़ा होना	എഴുന്നേൽക്കുക
जानना	അറിയുക	पकड़ना	പിടിക്കുക	हाथ बढ़ाना	കൈ നീട്ടുക

❖ प्रश्नों का उत्तर दें -

(കവിത വായിക്കുക. തന്നിരിക്കുന്ന ചോദ്യങ്ങൾക്ക് ഉത്തരം കണ്ടെത്തുക.)

1. व्यक्ति किस हालत में था?
   - निराशा में
   - ख़ुशी में
2. उसकी हताशा का कारण क्या था?
   - जीवन के संतोष
   - जीवन की समस्याएँ
3. कवि क्या जानते थे?
   - व्यक्ति को
   - व्यक्ति की निराशा को
4. 'कवि व्यक्ति को नहीं जानता था। व्यक्ति की हताशा को जानता था' - इससे क्या आशय मिलता है?
   - व्यक्ति के प्रति कवि को सहानुभूति है।
   - व्यक्ति के प्रति कवि को गुस्सा है।
5. 'मैंने हाथ बढ़ाया' - का तात्पर्य क्या है?
   - मैंने सहायता की।
   - मैंने उपद्रव किया।
6. साथ-साथ चलने के लिए व्यक्तियों के बीच पूर्व परिचय अनिवार्य है क्या?
   - हाँ
   - नहीं
7. 'साथ चलना' माने क्या है?
   - दूर चलना
   - मिलकर चलना

8. क्या व्यक्ति की मदद करने के लिए उसको जानना ज़रूरी है?

- नहीं
- हाँ

9. हताश व्यक्ति के प्रति हमारा मनोभाव कैसा होना चाहिए?

- सहानुभूति का भाव
- उपेक्षा का भाव

10. 'व्यक्ति की हताशा को जानने' का मतलब क्या है?

- एक व्यक्ति के बाहरी रूप को जानना
- एक व्यक्ति के मन को जानना

11. 'व्यक्ति को जानते बिना परेशानी में उसकी मदद करना' किस का सूचक है?

- कवि के मन की भलाई
- कवि के मन की बुराई

12. 'दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे। साथ-साथ चलने को जानते थे' -इससे क्या मतलब है?

- आपसी संबंध मन या हृदय से होना चाहिए।
- आपसी संबंध रूप या सौंदर्य से होना चाहिए।

13. मिलकर चलनेवालों में कौन-कौन सा गुण मौज़ूद है?

- दोस्ती और मनुष्यता
- स्वार्थता और शत्रुता

■ **समान आशयवाली पंक्तियाँ लिखें –**

आशय	पंक्तियाँ
• कवि व्यक्ति से अपरिचित है।	"व्यक्ति को मैं नहीं जानता था।"
• जीवन की समस्याओं से एक व्यक्ति संकट में है।	.....
• व्यक्ति की असहायता देखकर कवि ने उसकी मदद की।	.....
• कवि की सहानुभूति से हताश व्यक्ति को सांत्वना मिली।	.....

WORKSHEET - 2

❖ कविता का आशय समझ में आया ?
तो, नरेश सक्सेना की टिप्पणी की और चलें -

हताशा	നിരാശ	पता	മേൽവിലാസം	लोकगीत	നാടോടിപ്പാട്ട്
जानना	അറിയുക	उम्र	വയസ്	बार-बार	ഇടർച്ചയായി
हाथ बढ़ाना	കൈ നീട്ടുക	ओहदा	പദവി	लौटना	തിരിച്ചുവരിക
मौलिकता	മൗലികത	जाति	ജാതി	खूबी	ഗുണം
अनगढ़ता	നിശ്ചിത രൂപമില്ലാത്ത	जोड़ना	കൂട്ടിച്ചേർക്കുക	आखिरी	അവസാനം
विख्यात	പ്രസിദ്ധം	संकट	വിഷമം	शेर	ഉർദു കവിതയിലെ ഈരടി
शिल्प	ശില്പം	घायल	മുറിവേറ്റ	ज़ुबान	നാവ്, ഭാഷ
सिद्ध	വിജയിച്ച	मुसीबत	ആപത്ത്	आप से आप	സ്വയമേവ
सहज	സ്വാഭാവികം	मदद	സഹായം	रोकना	തടയുക
साफ़	വ്യക്തം	ज़रुरत	അത്യാവശ്യം	खुद	സ്വയം
व्याख्या	വിവരണം	याद	ഓർമ	पूरा करना	പൂർണ്ണമാക്കുക
दरकार	ആവശ്യം	लगातार	നിരന്തരം	रूढ़िग्रस्त	പരമ്പരാഗതമായ
मर्म	തത്വം	बयान	വിവരണം	बदलना	മാറ്റുക
रूढ़ि	പാരമ്പര്യം	बारीक	സൂക്ഷ്മമായ	सघन	പുഷ്ടമായ
तोड़ देना	പൊട്ടിക്കുക	कारीगरी	കലാചാതുര്യം	अहसास	സ്പർശം
बात	കാര്യം	पंक्ति	വരി	संवेदना	സംവേദനം, സഹാനുഭൂതി

📖 शब्दार्थों की सहायता से पाठ का वाचन करें -

उत्तर लिखें -

1. ' हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ' किसकी कविता है ?
   - नरेश सक्सेना
   - विनोदशंकर व्यास
   - विनोदकुमार शुक्ल

2. मुसीबत में पड़े हुए लोगों को किसकी ज़रूरत है?
   - हमारी मदद की
   - हमारी उपेक्षा की
   - हमारे तिरस्कार की

3. ' हम दोनों साथ चले' - कौन-कौन साथ चले?
   - कवि और नरेश सक्सेना
   - कवि और हताश व्यक्ति
   - नरेश सक्सेना और हताश व्यक्ति

4. अपरिचित होने पर भी कवि ने हताश व्यक्ति की सहायता की। - इससे क्या संदेश मिलता है?
   - दो मनुष्यों के बीच मानवीय संवेदना होनी चाहिए।
   - किसी को जानते समय पहले उसके नाम, पते, उम्र, ओहदे आदि देखना चाहिए।
   - अपरिचित लोगों से दूर रहना चाहिए।

5. ' व्यक्ति को मैं नहीं जानता था।' - इसमें "**मैं**" कौन है?
   - हताश व्यक्ति
   - विनोदकुमार शुक्ल
   - नरेश सक्सेना

6. 'व्यक्ति को न जानना ' और 'हताशा को जानना' -- इन पंक्तियों से से किन- किन मानवीय गुणों के बारे में सूचना मिलती है?
   - दया और सहानुभूति
   - स्वार्थ और अहंकार
   - परोपकार और आत्मप्रशंसा

7. हमें किन-किन व्यक्तियों की मदद करनी चाहिए?
- खुश और स्वस्थ रहने वाले लोगों की
- असहाय और संकट में पडे लोगों की
- केवल अपने परिचित और सगे-संबंधी लोगों की

8. कवि के अनुसार हताश व्यक्ति अपने लिए क्यों अपरिचित नहीं है?
- क्योंकि उस व्यक्ति की मानसिक स्थिति को वे समझ सकते थे।
- क्योंकि वह आदमी उसके शहर में रहने वाला है।
- क्योंकि कवि व्यक्तिगत रूप से उसे जानता है।

9. कवि ने उस व्यक्ति के सामने क्यों हाथ बढ़ाया?
- उसकी मुसीबत पहचानकर सहायता करने के लिए
- उस व्यक्ति से सहायता माँगने के लिए
- उस व्यक्ति को अपनी असहायता का परिचय देने के लिए

10. 'मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना' - इस प्रयोग से क्या तात्पर्य है ?
- सहानुभूति का भाव अपनाना
- स्वार्थता का भाव अपनाना
- दूसरों की भावनाओं की उपेक्षा करना

11. 'एक आदमी सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर उसकी रक्षा करता है।' - इस घटना से क्या सीख मिलती है ?
- आपसी सहयोग और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार समाज की भलाई के लिए है।
- परोपकार करने से हमारा समय नष्ट हो जाता है।
- अपरिचित लोगों की सेवा नहीं करनी चाहिए।

12. कविता का केंद्रीय भाव क्या है ?
- दूसरों के के प्रति मनुष्यता प्रकट करने पर हमें नुकसान होता है।
- मनुष्यता यानी इनसानियत मानवीय संबंधों का आधार है।
- भेदभाव और असहिष्णुता मानवीय संबंधों का आधार है।

13. कविता की आस्वादन टिप्पणी तैयार करते समय इनमें से किस बात पर ध्यान देना चाहिए -
- कवि का स्वभाव
- कविता की प्रसिद्धि
- कविता का आशय

14. बहुत दिनों से चली आई हुई प्रथा या रीति - इसके लिए हिंदी में कौन-सा शब्द है?
- लगातार
- कारीगरी
- रूढ़ि

15. 'जानना' शब्द का परंपरागत अर्थ यानी हमारी जानी-पहचानी रूढ़ि क्या है ?
- व्यक्ति की असहायता, निराशा या उसके संकट को जानना।
- व्यक्ति को उसके नाम, पते , उम्र , ओहदे या जाति से जानना।
- व्यक्ति की समस्याओं के बारे में जानना।

16. विनोदकुमार शुक्ल किस बात के लिए प्रसिद्ध हैं ?
- अपनी मौलिकता और भाषा की अनगढ़ता के लिए
- अपनी रचनाओं को प्राप्त पुरस्कार के लिए
- अपनी खूबसूरती और बुद्धिक्षमता के लिए

17. कविता के शिल्प पक्ष में आते हैं -
- भाषा-प्रयोग और कवि का व्यक्तित्व
- सारांश और व्याख्या
- गीतात्मकता और भाषा-प्रयोग

18. लेखक की राय में कविता का शिल्प-पक्ष किस प्रकार है?
- एकदम बारीक
- अनाकर्षक
- सरल लेकिन अस्पष्ट

19. सही प्रस्ताव चुनिए -
- सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं कविता का मर्म है।
- कविता का सौंदर्य केवल अलंकारों के प्रयोग पर आधारित है।
- कविता का अर्थ सहज और साफ़ न होकर दुरूह होना चाहिए।

20.कौन-सा प्रस्ताव सही है ?
- हमें दूसरों की मुसीबतें जानकर उसे दूर रखने का प्रयास करना चाहिए।
- परस्पर सहायता करने से हमारा जीवन सुन्दर बनता है।
- दूसरों की सहायता के लिए अपना समय नष्ट करना अच्छा नहीं है।

यह भी देखें -

1. कविता का विश्लेषण करते हुए लेखक ने 'जानने' को क्या अर्थ दिया है?

OR

2. 'मनुष्य को मनुष्य की तरह जानना' से क्या तात्पर्य है?

OR

3. "दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं।" – यहाँ लेखक क्या कहना चाहता है?

OR

4. 'जानना' शब्द की लेखक की व्याख्या से आप कहाँ तक सहमत हैं?

OR

5. 'कवि व्यक्ति को नहीं जानता था व्यक्ति की हताशा को जानता था।' इससे क्या आशय मिलता है?

OR

6. 'दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे साथ-साथ चलने को जानते थे।' – इससे क्या मतलब है?

उत्तर - संसार में लोग अनगिनत समस्याओं से मुसीबत, संकट और हताशा में हैं। इस हालत में वे सहानुभूति का एक हाथ चाहते हैं। हमें ऐसे हताश व्यक्तियों को जानने की कोशिश करनी चाहिए। जानने की जानी पहचानी रूढी किसी व्यक्ति के नाम, पता, उम्र, ओहदा या जाति को जानने से संबंधित है। ये सब मनुष्य की बाहरी जानकारियाँ मात्र हैं। दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं। अत: जानने का वास्तविक अर्थ व्यक्ति के अंदर को जानना है, उसके मन को जानना है या मनुष्य को मनुष्य के रूप में जानना है।

7. कविता के शिल्प पक्ष पर लेखक के क्या-क्या निरीक्षण हैं?

OR

8. लेखक के विचार में कविता में प्रयुक्त शब्द और वाक्य किस प्रकार के हैं?

OR

9. लेखक के विचार में कविता में प्रयुक्त शब्द और वाक्य की विशेषता क्या हैं?

उत्तर - कविता में प्रयुक्त शब्द और वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं।कविता में 'जानना' और नहीं 'जानना' शब्द किसी लोकगीत के स्थायी की तरह बार-बार लौटता हैं। गद्य-कविता होने पर भी इसमें गीतात्मकता का बोध अत्यंत खूबी के साथ आया है। ये सब कविता के शिल्प पक्ष पर लेखक के निरीक्षण हैं।

WORKSHEET - 3

टिप्पणी के आधार पर लिखें।

'जानने' के रूढ़िग्रस्त आधार	'जानने' के असली आधार
•	• .....
•	• .....
•	• .....
•	• .....

संबंध पहचानकर सही मिलान करें।

1. व्यक्ति को मैं नहीं जानता था	उसको हमारी मदद चाहिए था
2. मुझे वह नहीं जानता था	हताशा को जानता था
3. दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे	मेरे हाथ बढाने को जनता था
4. हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था	साथ चलने को जानते थे

संबंध पहचानकर सही मिलान करें।

• हताश व्यक्ति	निराश होकर बैठता है।
	सहायता देने के लिए हाथ बढ़ाता है।
• कवि	हाथ पकड़कर खड़ा हो जाता है।
	मनुष्य को मनुष्य के रूप में जानता है।

सही या गलत ? चिन्हित करें -

वाक्य/ प्रस्ताव	👍	☒
1. कविता 'जानना' शब्द के रूढिग्रस्त अर्थ को बदल देती है।		
2. व्यक्ति के नाम, पते, ओहदे से सबकुछ जान सकते हैं।		
3. कविता का कुंजी शब्द है - जानना।		
4. कविता में मनुष्यता यानी मानवीय संवेदना दिखाने का संदेश है।		
5. गद्य कविता होने पर इसमें गीतात्मकता नहीं है।		